

प्रेषक

सोहन लाल,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

श्रमाधुक्त,  
उत्तराखण्ड, हल्द्वानी।

श्रम एवं सेवायोजन विभाग

देहरादून

दिनांक : १५ प्र० ०५

विषय: वित्तीय वर्ष 2005-06 हेतु आयोजनागत पक्ष में श्रम प्रवर्तन संत्र के सुदृढ़ीकरण हेतु  
धनराशि का आंबटन।

गहोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या ४४९/दै०दून कृष्ण-वजट/०५ दिनांक १३ मई २००५ के  
में मूँज यह कहने का निर्देश हुआ थे कि आपके उत्तराखण्ड वित्तीय वर्ष २००५-०६ में  
जायज्ञनामत् पक्ष में प्रदेश के सहायक श्रमाधुक्त अम प्रवान औषधकारी व्यय कायोलयों को  
सुदृढ़ बिए जाने तथा उत्तराखण्ड साजसज्जा के क्षय किए जाने हेतु रुपये ५०.००.०००/- (रुपये पाँच  
लाख चाहत्र) की धनराशि के व्यय किए जाने की श्री सजगपतल गहोदय राज्य सीकृति प्रदान करते हैं।

२- उत्तराखण्ड इच्छित्वन्य के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निवर्तन पर सीकृत की जा  
रही है कि उक्त गद में आबोटेट सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। वही यह भी स्पष्ट किया  
जाता है कि धनराशि का आंबटन मिली ऐसा व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय  
करने से वजट मिनुअल या मिलीय हस्तापुस्तिका के निवार्या या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता है।  
जहाँ व्यय करने से पूर्व सभ्य अधिकारी की सीकृति आवश्यक हो, वही ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की  
सीकृति प्राप्त बनके ही किया जायेगा। व्यय ने मित्रदयता भित्तित आवश्यक है, मित्रदयता का  
सम्बन्ध में समय-समाप्त जल्दी सासार्दशा/अन्य आदेशों का अनुपालन कडाई से सुनिश्चित किया  
जाता। व्यय उन्हीं गदों में किया जाईगा जिसके लिये यह सीकृत किया जा रहा है।

३- व्यय करते समय स्टोर परवेज रूल्स, फ्रीलीएसएप्लिनी, जी दरों एवं शर्तों टेक्स/कोटिशन आदि  
के विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

४- उक्त धनराशि से कराये जा रहे कार्यों/कार किए जा रहे उपकरणों का नववार/धनराशि वार्ता  
प्राप्ति इतरान तो दिनांक ३१ मार्च-२००६ तक उपलब्ध करा दिया जायेगा।

५- सीकृत की जा रही धनराशि का व्यय दिनांक ३१ मार्च-२००६ तक सुनिश्चित बर लिया जायेगा।

६- उक्त व्यय वाल् वित्तीय वर्ष २००५-०६ हेतु अनुदान संख्या-१६ मुख्य लेखाशीषक २२३०-श्रग  
पता राजगार ०१-श्रम, १०३-सामान्य अम कल्पाम, आयोजनागत ०७- श्रम विभाग के प्रवर्तन का

विकेन्द्रीयकरण एवं सुदृढीकरण-०० मानक मंद संख्या : ४२- अन्य व्यय के नामे ढाला जायेगा । यह आवेदन श्रमायुक्त के अधीन समस्त कार्यालयों के लिए किया जा रहा है ।

६- यह आवेदन वित्त विभाग के अशासकीय संख्या : गृही ३९३/विभाग-३/२००५ दिनांक ३१ मई-२००५ के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं ।

भवदीय

(सोहन लाल)  
अपर सचिव ।

पृष्ठाकन संख्या: ८६१ (१) / VIII / १४-श्रम / २००५, तददिनांक :  
प्रतिलिपि निभलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- १- महालेसाकार, उत्तरांचल देवदारु ।
- २- शंदनित जनपद के कोधापिकारी ।
- ३- अपर श्रमायुक्त, उत्तरांचल देवदारु ।
- ४- विल अनुभाग-३
- ५- एन०आइ०सी० उत्तरांचल राजिवालग ।
- ६- नियोजन विभाग उत्तरांचल श.सन ।
- ७- गाड़े चाइल ।

आज्ञा से,

(आर०क० चौहान)  
अनुसविव ।